(क) क्या 9 नवम्बर, 2016 के बाद 500 रुपये और 1000 रुपये के उच्च मूल्य के नोट बंद किए जाने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुआयामी प्रभाव पड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो कृषि, सेवा, ऑटोमोबाइल, व्यापार और पर्यटन इत्यादि जैसे क्षेत्रों पर इसके प्रभावों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या नोटबंदी की अवधि के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर गंभीर प्रभाव पड़ा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है

**उत्तर**

**वित्त राज्‍य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल)**

(क) और (ख): केंद्रीय सांख्‍यिकी कार्यालय द्वारा जारी तिमाही आंकड़ों के अनुसार, 2016-17 की तीसरी तिमाही में उच्‍च मूल्‍यवर्ग के करेंसी नोटों (500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों) के विमुद्रीकरण के बावजूद भारतीय अर्थव्‍यवस्‍था की विकास दर 7.0 प्रतिशत के मजबूत स्‍तर पर बने रहने का अनुमान है। 2016-17 की तीसरी तिमाही (अक्‍तूबर-दिसंबर) के दौरान कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में विकास की दर 6.0 प्रतिशत थी जबकि 2016-17 की पहली तिमाही और दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा क्रमश: 1.9 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत था। 2016-17 की तीसरी तिमाही में सेवा क्षेत्र में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि 2016-17 की पहली तिमाही और दूसरी तिमाही में यह दर क्रमश: 8.8 प्रतिशत और 8.2 प्रतिशत थी। 2016-17 की पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही में ''व्‍यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवा'' सेक्‍टर तथा कुछ हद तक मंद पर्यटन क्रियाकलापों में भी वृद्धि की दर क्रमश: 8.2 प्रतिशत, 6.9 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत दर्ज की गई। पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2015 की तदनुरूप अवधियों की तुलना में नवम्‍बर तथा दिसंबर 2016 में विदेशी टूरिस्‍टों के आगमन में वृद्धि हुई है। केंद्रीय सांख्‍यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2016 में वाणिज्‍यिक वाहनों, मोटरसाईकिलों, यात्री गाड़ियों, स्‍कूटर तथा मोपैड के उत्‍पादन में नवंबर 2015 की तुलना में वृद्धि हुई है, जबकि तिपहिया वाहनों के उत्‍पादन में कमी आई है। वाणिज्‍यिक वाहनों, मोटर साईकिलों, तिपहिया वाहनों, स्‍कूटरों तथा मोपैडों के उत्‍पादन में दिसंबर 2016 में कमी आई है जबकि यात्री गाड़ियों के उत्‍पादन में दिसंबर 2015 की तुलना में वृद्धि हुई है।

(ग) और (घ): वर्ष 2016-17 की तीसरी तिमाही (अक्‍तूबर-दिसंबर) में स्‍थिर बाजार मूल्‍यों पर सकल घरेलू उत्‍पाद (जीडीपी) में विकास की दर 7.0 प्रतिशत थी जबकि 2016-17 की पहली और दूसरी तिमाही के दौरान यह आंकड़ा क्रमश: 7.2 प्रतिशत और 7.4 प्रतिशत था।

**\*\*\*\*\***